To,

The Principal Secretary
Raj Bhawan, Bihar, Patna

Sub: Regarding submission of proposed course structure and uniform syllabus of Bhojpuri for 3rd to 8th Semester of 4 -Years undergraduate.

Ref: Letter No.- BSU(UGC)-02/2023-1457/GS (1) Dated 14.09.2023

Sir,

In Compliance with your Letter No.-BSU(UGC)-02/2023-1457/GS (1) Dated 14.09.2023 followed by above mentioned letter no., we are submitting the proposed course structure and syllabus of Bhojpuri for 3rd to 8th Semester of 4 -Years undergraduate course system as per UGC regulations.

Yours faithfully

20.9.23

Dr. Diwakar Pandey
Professor, H.O.D.
P.G Department of Bhojpuri
Veer Kunwar Singh University,Ara

20.9.23

Dr. jaykant Singh Jay
Professor, H.O.D
Bhojpuri Department
L.S. College, B.R.A.
Bihar University,Muzaffarpur

भोजपुरी (Bhojpuri)

(A) Major Core Courses

Sl. No.	Sem	Type of course	Name of Course	Credit	Marks
1.	i	MJC-1	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल)	06	100
2.	ii	MJC-2	प्राचीन आ मध्यकालीन भोजपुरी काव्य	06	100
3.	iii	MJC-3	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आधुनिक काल)	05	100
4.	iii	MJC-4	भोजपुरी कथा साहित्य (उपन्यास आ कहानी)	04	100
5.	iv	MJC-5	काव्य शास्त्र (भारतीय आ पाश्चात्य)	05	100
6.	iv	MJC-6	भाषा विज्ञान आ भोजपुरी भाषा	05	100
7.	iv	MJC-7	स्वतंत्रता पूर्व भोजपुरी कविता	05	100
8.	V	MJC-8	साहित्यालोचन (कला, काव्य, नाटक, कहानी आ उपन्यास के परिभाषा, तत्व, प्रकार, आदि)	05	100
9.	v	MJC-9	भोजपुरी के कथेतर साहित्य (निबंध, आलोचना, रिपोर्ताज संस्मरण, डायरी)	05	100
10	vi	MJC-10	स्वातंत्र्ययोत्तर भोजपुरी काव्य (अद्यतन)	04	100
11	vi	MJC-11	भोजपुरी के कुँवर काव्य अउर गीतिकाव्य	05	100
12	vi	MJC-12	प्रयोजनमूलक भोजपुरी	05	100
13	vii	MJC-13	भोजपुरी नाटक आ एकांकी	05	100
14	vii	MJC-14	शोध पद्धति (Research Methodology)	05	100
15	vii	MJC-15	भोजपुरी पत्रकारिता आ साहित्यिक निबंध	06	100
16	viii	MJC-16	भोजपुरी लोकसाहित्य	04	100
			B. Minor Courses to be offered by the Departments of other Departments of Concern	**80 Credits**	

Sl. No.	Sem	Type of course	Name of Course	Credit	Marks
1.	i	MIC-1	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल)	03	100
2.	ii	MIC-2	प्राचीन आ मध्यकालीन भोजपुरी काव्य	03	100
3.	iii	MIC-3	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आधुनिककाल)	03	100
4.	iv	MIC-4	भोजपुरी कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी)	03	100
5.	V	MIC-5	काव्यशास्त्र (भारतीय का पाश्चात्य)	03	100
6.	V	MIC-6	भाषा विज्ञान आ भोजपुरी भाषा	03	100
7.	Vi	MIC-7	स्वतंत्रतापूर्व भोजपुरी कविता	03	100
8.	Vi	MIC-8	साहित्यालोचन (कला, काव्य, नाटक, कहानी आ उपन्यास के परिभाषा, तत्व, प्रकार, आदि)	03	100
9.	Vii	MIC-9	भोजपुरी के कथेतर साहित्य– निबंध, आलोचना, रिपोर्ताज संस्मरण, डायरी	04	100
10.	Viii	MIC-10	स्वातंत्र्ययोत्तर भोजपुरी काव्य (अद्यतन)	04	100

Sub Total=32

Note: The Department may reduce the syllabus of the Minor courses as per the credit distribution The Department concerned may also decide practical course.

भोजपुरी

MJC

MJC - 03

MJC - 04

MJC - 05

MJC - 06

MJC - 07

MJC - 08

MJC - 09

MJC -10

MJC -11

MJC -12

MJC -13

MJC -14

MJC -15

MJC -16

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– III

MJC – 03
साख (क्रेडिट) – 05

अंक – 100

भोजपुरी साहित्य के इतिहास
(आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य –

1. भोजपुरी साहित्य का आधुनिक काल से विद्यार्थी लोग के अवगत करावल।
2. भोजपुरी साहित्य का आधुनिक काल के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक आ आर्थिक परिस्थितियन से अवगत करावल।
3. भोजपुरी साहित्य का आधुनिक तत्वन के बोध करावल।
4. भोजपुरी साहित्य का नवीन विधन से परिचय करावल।

परिणाम (Outcomes)

1. इतिहास–निर्माण का आधुनिक प्रक्रिया के बोध होई।
2. आधुनिक मूल्यबोध से विद्यार्थी लोग प्रेरित हाइहें आ उनका में संवेदनशीलता आ रचनात्मकता के विकास होई।
3. ज्ञान के विविध क्षेत्रन से परिचित भइला के चलते विद्यार्थी लोग में आधुनिक जीवन बोध के विकास होई।

अंक विभाजन

समय – 03 घंटा

1. आलोचनात्मक 05 प्रश्नन में से कवनो 03 गो के उत्तर दिहल जरूरी होई। 10 x 03 = 30
2. लघु उत्तरीय 06 प्रश्नन में से कवनो 04 गो के उत्तर दिहल जरूरी होई। 05 x 04 = 20
3. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर दिहल जरूरी होई। 02 x 10 = 20

70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा –	05
2. एसाइनमेंट –	05
3. सेमिनार / क्विज –	05
4. उपस्थिति –	05
	30

इकाई – 01	आधुनिक काल के पृष्ठभूमि, भारतीय नवजागरण आ ओकर प्रभाव, आधुनिक काल के प्रेरक परिस्थिति–सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम आ भोजपुरी साहित्य।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	बीसवीं सदी में भोजपुरी साहित्य, भोजपुरी के विभिन्न काव्य प्रवृत्तियन (प्रबंधकाव्य, गीति काव्य, गजल, मुक्तछंद आदि) उद्भव आ विकास।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा।
इकाई – 03	भोजपुरी साहित्य के प्रमुख विधन (उपन्यास, कहानी, लघु कथा, नाटक, एकांकी, निबंध, रेखाचित्र, यात्रा–वृतांत, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि) के उद्भव आ विकास	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	भोजपुरी पत्रकारिता आ भोजपुरी सिनेमा के विकास यात्रा	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा।
इकाई – 05	भोजपुरी आंदोलन के उद्भव आ विकास, भोजपुरी आंदोलन में लागल प्रमुख संस्था। संगठन सामान्य परिचय–अखिल भारतीय भोपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना आ विश्व भोजपुरी सम्मेलन।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 2 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. भोजपुरी भाषा और साहित्य– डॉ॰ उदयनारायण तिवारी
2. भोजपुरी साहित्य का इतिहास– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
3. भोजपुरी के काव्य साहित्य के इतिहास– महेश्वराचार्य
4. भोजपुरी के संक्ष्प्ति इतिहास– डॉ॰ तैयब हुसैन पीड़ित
5. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह
6. भोजपुरी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– चन्द्रमा सिंह
7. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ॰ अर्जुन तिवारी
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सं॰ डॉ॰ नगेन्द्र
9. भोजपुरी भाषा का इतिहास– श्री रास बिहारी पाण्डेय
10. भोजपुरी के आदिकाल– डॉ॰ जयकान्त सिंह जय
11. भोजपुरी भाषा की विकास यात्रा– डॉ॰गदाधर सिंह
12. भोजपुरी आंदोलन के इतिहास– डॉ॰ पशुपतिनाथ सिंह
13. भोजपुरी भाषा संवैधानिक मान्यता :– समस्या आ समाधान– डॉ॰ जयकान्त सिंह जय
14. भोजपुरी गद्य साहित्य :– स्वरूप– सामग्री– समालोचना– डॉ॰ जयकान्त सिंह जय
15. भोजपुरी आंदोलन के प्रेरक व्यक्तित्व– डॉ॰ प्रभुनाथ सिंह– डॉ॰ ओम प्रकाश सिंह
16. भोजपुरी सिनेमा के पचास साल– कुलदीप श्रीवास्तव

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– III

MJC – 04
साख (क्रेडिट) – 04

अंक – 100

भोजपुरी कथा साहित्य
(उपन्यास आ कहानी)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. भोजपुरी के कथा साहित्य से विद्यार्थी लोग के अवगत करावल।
2. भोजपुरी उपन्यास के कथ्य आ शिल्प से परिचय करावल।
3. भोजपुरी कहानी के कथ्य आ शिल्प से परिचय करावल।

परिणाम (Out Comes)

1. भोजपुरी कथा साहित्य से परिचित भइला के बाद विद्यार्थी लोग का ज्ञान के विस्तार होई।
2. विद्यार्थी लोग में जीवन–मूल्यबोध के भावना पैदा होई।
3. जीवन जगत के यथार्थ आ आदर्श से अवगत भइला के बाद विद्यार्थी लोग में संवेदनशीलता, सृजनात्मकता आ दायित्व बोध के भावना पैदा होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. आलोचनात्मक 05 प्रश्नन में से 03 गो के उत्तर जरूरी –	**10 X 3= 30**
2. लघु उत्तरीय 04 प्रश्नन में से 02 गो के उत्तर जरूरी –	**05 X 2= 10**
3. उपन्यास आ कहानी से क्रमवार दू–दू गो व्याख्यात्मक प्रश्न पुछाई जवना में से एक–एक के सप्रसंग व्याख्या कइल जरूरी–	**05 X 2= 10**
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	**10 X 2= 20**
	70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा –	05
2. एसाइनमेंट –	05
3. सेमिनार / क्विज –	05
4. उपस्थिति –	05
	30

इकाई – 01	उपन्यास – बिंदिया– रामनाथ पाण्डेय अथवा फुलसुंधी – पाण्डेय कपिल	व्याख्यान– 09 ट्यूटोरियल– 03 = 12 घंटा
इकाई – 02	उपन्यास – दरकच– डॉ॰ नर्वदेश्वर राय अथवा जुगेसर– हरेन्द्र कुमार	व्याख्यान– 09 ट्यूटोरियल– 03 = 12 घंटा
इकाई – 03	कहानी– कुंदन सिंह केसर बाई, मछरी, अपराधी, लोर पसर गई, गाँव के मुरदा (विश्वविद्यालय भोजपुरी गद्य संग्रह)	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	कहानी– बाजलि बैरिन रे बँसुरिया, झूठे जग पतिआय, तिहत्तर जनम, दिदिया (कहानी कमाल के– सं॰ डॉ॰ अरूण मोहन भारवि)	व्याख्यान– 06 ट्यूटोरियल– 02 = 08 घंटा।

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास– डॉ॰ विवेकी राय
2. भोजपुरी कहानी : परम्परा आ विकास– कृष्णानन्द कृष्ण
3. भोजपुरी उपन्यास में जीवन–मूल्य– डॉ॰ बलिराम प्रसाद
4. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ॰ अर्जुन तिवारी
5. भोजपुरी उपन्यास : उद्‌भव और विकास– डॉ॰ अरूण मोहन भारवि
6. भोजपुरी उपन्यास के नारी पात्र : एक अनुशीलन– डॉ॰ ओम प्रकाश सिंह
7. भोजपुरी रचना और आलोचना– डॉ॰ अशोक द्विवेदी
8. भोजपुरी साहित्य : प्रगति की पहचान– डॉ॰ विवेकी राय
9. आजु के भोजपुरी साहित्य– डॉ॰ रिपुसूदन श्रीवास्तव

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– IV

MJC – 05 अंक – 100
साख (क्रेडिट) – 05

काव्य शास्त्र
(भारतीय आ पाश्चात्य)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. भारतीय काव्य शास्त्र से परिचय करावल।
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र से परिचय करावल।
3. भारतीय काव्य शास्त्री आ पाश्चात्य काव्य शास्त्री लोग के जीवन परिचय आ सिद्धांत से अवगत करावल।
4. काव्य शास्त्र के ज्ञान से विद्यार्थी लोग के संपन्न कइल।

परिणाम :–

1. भारतीय काव्य शास्त्र के प्राचीन परम्परा से अवगत भइला के बाद विद्यार्थी लोग में अपना प्राचीन ज्ञान परम्परा से भावात्मक लगाव पैदा होई।
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के प्राचीन परम्परा से अवगत होके विद्यार्थी लोग का काव्य शास्त्री ज्ञान में अभिवृद्धि होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. भारतीय आ पाश्चात्य काव्यशास्त्र से दू–दू गो आलोचनात्मक प्रश्न पुछाई जवना में से एक–एक के उत्तर जरूरी–	10 X 2= 20
2. लघु उत्तरीय चार प्रश्नन से दू गो उत्तर जरूरी–	05 X 02= 10
3. चार पूछल छंद में से दू गो के लक्षण आ उदाहरण दिहल जरूरी–	05 X 02= 10
4. चार पूछल अलंकारन में से दूगो के लक्षण आ उदारण दिहल जरूरी–	05 X 02= 10
5. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर दिहल जरूरी–	02 X 10= 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार / क्विज–	05
4. उपस्थिति–	05
	30

20.9.23

20-9-23

इकाई – 01	काव्य के लक्षण/परिभाषा, प्रकार, हेतु आ गुण	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	शब्द–शक्ति : अभिधा, लक्षणा आ व्यंजना (परिभाषा, प्रकार, आ उदाहरण) रस सिद्धांत : स्वरूप, प्रकार, अवयव आ रस–निष्पत्ति	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	अलंकार आ छंद : अलंकार– अनुप्रास, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, यमक, वक्रोक्ति, अतिश्योक्ति, संदेह, भ्रांतिमान, अपहनुति छंद– दोहा, चौपाई, रोला, कुंडलिया, छप्पय, सोरठा, सवैया, विरहा, सोहर, आल्हा	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	पाश्चात्य काव्य शास्त्र : प्लेटो–सामान्य परिचय आ अनुकरण के सिद्धांत, अरस्तु–सामान्य परिचय आ विरेचन के सिद्धान्त	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा।
इकाई – 05	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : टी॰एस॰ इलियट : सामान्य परिचय आ उनकर परम्परा, वैयक्तिक पज्ञा के सिद्धांत आ काव्य भाषा के सिद्धांत। आई॰ए॰ रिचर्डस : सामान्य परिचय, संप्रेषण सिद्धांत आ मूल्य सिद्धांत	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भोजपुरी काव्य में अलंकार– रस–छंद– डॉ॰ ब्रजभूषण मिश्र
2. गुण–दोष–रीति दर्पण– शास्त्री सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी
3. छंद मंजरी– शास्त्री सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी
4. अलंकार दर्पण– शास्त्री सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी
5. अलंकार दर्पण– धरीक्षण मिश्र
6. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका– डॉ॰ जितराम पाठक
7. काव्य के तत्व– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. अलंकार मुक्तावली– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
10. काव्य दर्पण– रामदहिन मिश्र

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– IV

MJC – 06 अंक – 100
साख (क्रेडिट) – 05

भाषा विज्ञान आ भोजपुरी भाषा

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. भाषा आ भाषा विज्ञान से विद्यार्थी लोग के अवगत करावल।
2. भाषा आ भाषा विज्ञान का अन्तर से अवगत करावल।
3. भोजपुरी भाषा के उद्भव आ विकास से परिचय करावल।

परिणाम–

1. विद्यार्थी लोग के भाषा आ भाषा विज्ञान से जुड़ल एक–एक पक्ष के ज्ञान होई।
2. भाषा विज्ञान के क्षेत्र में आवेवाला आउर विषय से परिचय होई।
3. भोजपुरी भाषा के उद्भव आ विकास के लेके ज्ञान समृद्ध होई।

अंक विभाजन समय– 03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक/विवरणात्मक प्रश्नन में से तीन के उत्तर जरूरी–	10 X 03 = 30
2. छव लघु उत्तरीय प्रश्नन में से चार के उत्तर जरूरी–	05 X 04= 20
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	10 X 2= 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा– 15
2. एसाइनमेंट– 05
3. सेमिनार/क्विज– 05
4. उपस्थिति– 05

30

20-9-23

20.9.23

इकाई – 01	भाषा के लक्षण/परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप आ भाषा–बोली में अन्तर	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	भाषाविज्ञान के परिभाषा, विषय आ क्षेत्र, भाषाविज्ञान : कला ह कि विज्ञान?, भाषाविज्ञान के ज्ञान–विज्ञान का आउर क्षेत्रन से सम्बन्ध	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	भाषोत्पति के सिद्धांत, भाषा में परिवर्तन के कारन, अर्थ परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन के कारन	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	भोजपुरी भाषा के विकास यात्रा, भोजपुरी : बोली ह कि भाषा?, भोजपुरी भाषा के नामकरण संबंधी विद्वानन के विचार, भोजपुरी भाषा के विभिन्न रूप	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा।
इकाई – 05	मागधी आ भोजपुरी, अर्ध मागधी आ भोजपुरी ,पालि आ भोजपुरी अउर अवधी आ भोजपुरी के साम्य–वैषम्य	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्वावित ग्रंथ–

1. भाषाविज्ञान– डॉ॰ भोलानाथ तिवारी
2. भाषाविज्ञान की भूमिका– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भाषाविज्ञान सिद्धांत और स्वरूप– डॉ॰ जितराम पाठक
4. बिहारी बोलियों का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ॰ शिवचन्द्र सिंह
5. भोजपुरी भाषा के विकास यात्रा – डॉ॰ गदाधर सिंह
6. मानक भोजपुरी वर्तनी– आचार्य विश्वनाथ सिंह
7. भोजपुरी भाषा– स्वरूप आ संभावना– डॉ॰ जयकान्त सिंह जय
8. भारतीय आर्यभाषा आ भोजपुरी– डॉ॰ जयकान्त सिंह जय
9. हिन्दी तथा भोजपुरी की व्याकरणिक कोटियाँ – डॉ0 जयकान्त सिंह जय
10. भोजपुरी भाषाशास्त्र– डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह
11. मानक भोजपुरी– डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह
12. भारत का भाषा सर्वेक्षण और भोजपुरी– अब्राहम जार्ज ग्रियर्सन–
    अनु॰– पी॰ राज सिंह
13. बज्जिका, हिन्दी और भोजपुरी का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ॰ अवधेश्वर अरूण
14. भोजपुरी भाषा के बनावट– डॉ॰ दयानंद श्रीवास्तव

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– IV

MJC – 07 **अंक – 100**
साख (क्रेडिट) – 05

स्वतंत्रता पूर्व भोजपुरी कविता

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. देश के स्वतंत्रता पूर्व अथवा स्वतंत्रता संग्राम के समय लिखाइल भोजपुरी कविता से विद्यार्थी लोग के अवगत करावल ।
2. स्वतंत्रता पूर्व लिखल भोजपुरी कविता के तेवर आ तासीर से परिचय करावल।
3. स्वतंत्रता पूर्व लिखल भोजपुरी कवितन के माध्यम से विद्यार्थी लोग के तत्कालीन परिस्थितियन से अवगत करावल।

परिणाम :–

1. स्वतंत्रता पूर्व भोजपुरी कवितन के अध्ययन से विद्यार्थी लोग ओह समय के परिस्थिति से परिचित होई।
2. स्वतंत्रता पूर्व भोजपुरी कवितन का विविध विषय–वस्तुअन के ज्ञान होई।
3. स्वतंत्रता पूर्व के भोजपुरी कवियन का मनोभावन के बोध होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन के उत्तर जरूरी	10 X 03 = 30
2. छव लघु उत्तरीय प्रश्नन में से चार के उत्तर जरूरी–	05x 04 = 20
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी	02x 10 = 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा	– 15
2. एसाइनमेंट	– 05
3. सेमिनार / क्विज	– 05
4. उपस्थिति	– 05
	30

20-9-23

20-9-23

इकाई – 01	तेग अली तेग– सम्पूर्ण आ रामकृष्ण वर्मा बलवीर के परिचय आ कविता	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	सुन्दर (वेश्या)– अरे रामा नागर सैंया जाला कालापनिया रे हरी	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	हीरा डोम– अछूत के शिकायत, महेन्द्र मिश्र– सम्पूर्ण	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	मनोरंजन प्रसाद सिन्हा– फिरंगिया, रामविचार पाण्डेय– अंजोरिया, भिखारी ठाकुर– सम्पूर्ण	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा।
इकाई – 05	ठाकुर मिश्राम सिंह– छंद संख्या– 2 आ 3, सरदार हरिहर सिंह– राष्ट्रीयगीत, प्रसिद्धनारायण सिंह– श्रद्धांजलि	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

निर्धारित पुस्तक– 1. भोजपुरी के कवि और काव्य– दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह

2. बिहार विश्वविद्यालय भोजपुरी पद्य संग्रह– सं॰ डॉ॰ रिपुसूदन श्रीवास्तव, डॉ॰ प्रभुनाथ सिंह

अभिस्तावित ग्रंथ–

3. भोजपुरी भाषा और साहित्य– डॉ॰ उदयनारायण तिवारी
4. भोजपुरी साहित्य का इतिहास– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
5. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ॰ अर्जुन तिवारी
6. भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त इतिहास– डॉ॰ नागेन्द्र प्रसाद सिंह

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– V

MJC – 08 | अंक – **100**
साख (क्रेडिट) – 05

साहित्यालोचन

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. साहित्य के आलोचनात्मक तत्वन से विद्यार्थी लोग के परिचय करावल।
2. साहित्य के विविध विधन से परिचय करावल।
3. प्राचीन आ आधुनिक साहित्य के विधन के तात्विक अंतर आ परिवर्तन से छात्र लोगन के अवगत करावल।

परिणाम–

साहित्य के विविध विधन के तात्विक ज्ञान से विद्यार्थी लोग के विवेचन–विश्लेषण क्षमता के विकास होई आ ओह लोग में रचनात्मक लेखन के प्रति झुकाव पैदा होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. आलोचनात्मक 05 प्रश्नन में से 03 गो के उत्तर जरूरी–	**10 X 03 = 30**
2. लघु उत्तरीय 06 प्रश्नन में से 04 गो के उत्तर जरूरी–	**05 X 04 = 20**
3. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	**10 X 02 = 20**

आंतरिक मूल्यांकन–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार/क्विज–	05
4.उपस्थिति–	05
	30

इकाई – 01	कला– अर्थ, अवधारणा, परिभाषा आ वर्गीकरण	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	काव्य– परिभाषा, काव्य के भेद/प्रकार	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	कहानी– परिभाषा, तत्व, प्रकार। उपन्यास– परिभाषा, तत्व, प्रकार।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	नाटक– परिभाषा, तत्व, प्रकार। एकांकी– परिभाषा, तत्व, प्रकार।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा।
इकाई – 05	निबंध, आलोचना, रिपोर्ताज, संस्मरण के तत्व आ प्रकार	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तवित ग्रंथ–

1. साहित्यालोचन– आचार्य श्याम सुंदर दास
2. काव्यशास्त्र– डॉ॰ भगीरथ मिश्र
3. भोजपुरी गद्य साहित्य– स्वरूप, सामग्री, समालोचना– डॉ॰ जयकान्त सिंह जय
4. कसौटी पर भोजपुरी कविता– डॉ॰ ब्रजभूषण मिश्र
5. भोजपुरी रचना और आलोचना– डॉ॰ अशोक द्विवेदी
6. भोजपुरी साहित्य– प्रगति की पहचान– डॉ॰ विवेकी राय
7. आजु के भोजपुरी साहित्य– डॉ॰ रिपुसूदन श्रीवास्तव
8. भोजपुरीयत के थाती– डॉ॰ प्रमोद तिवारी

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– V

अंक – 100

MJC – 09
साख (क्रेडिट) – 05

भोजपुरी के कथेतर साहित्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. भोजपुरी के कथेतर साहित्य से विद्यार्थी लोग के परिचय करावल।
2. भोजपुरी के कथेतर साहित्य– निबंध, आलोचना, रिपोर्ताज, आत्मकथा, डायरी, यात्रा वृतांत/संस्मरण आदि के रचना शैली से अवगत करावल।
3. आधुनिक संदर्भ में कथेतर साहित्य लेखन का उपयोगिता से अवगत करावल।

परिणाम–

1. भोजपुरी के कथेतर साहित्य से विद्यार्थी लोग परिचित होई।
2. उपन्यास आ कहानी के अलावे अन्य विधा के माध्यम से समय, समाज आ देश से जुड़ल विषय के ज्ञान हो पाई।
3. विद्यार्थी लोग में सृजनात्मक लेखन का प्रतिभा के विकास होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन के उत्तर दिहल जरूरी–	10 X 03 = 30
2. छव लघु उत्तरीय प्रश्नन में से चार के उत्तर जरूरी–	05 X 04= 20
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	02 X 10= 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार/क्विज–	05
4.उपस्थिति–	05
	30

20-9-23

20-9-23

इकाई – 01	नव निबन्ध– श्री रामनगीना सिंह विकल निबन्ध– मन, वृद्धि, चित, साधना आ व्यक्तित्व अथवा हमार गाँव हमार घर– डॉ॰ प्रभुनाथ सिंह निबंध– लोहा सिंह के साथे विदेश यात्रा, जे॰पी॰ के गाँव : कहीं धूप कहीं छाँव, भोजपुरी के अमर गीतकार सतीश आ रामचरित मानस में कुछ नीति–उपदेश के बात।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	सुरतिया ना बिसरे (रेखाचित्र संग्रह)– डॉ॰ रसिक बिहारी ओझा निर्भीक– बथान, बाबू राम सकल सिंह, पगला तिवारी, गवर्नर साहब, खून के सम्बन्ध आ गोबरधन जी	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	सुरता के पथार (आत्म–संस्मरण)– शारदानन्द प्रसाद, आपन गाँव गिरांव, इंटर में पढ़ाई के समस्या, श्याम बिहारी गुरुजी, शिवझारो चाची, मैरवा मेला, बिसुनाथ पंडीजी आ बुआ के चिट्ठी अथवा बाबू (संस्मरण)– संत कुमार वर्मा	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	नीक–जबून (भोजपुरी डायरी साहित्य)– रामरक्षा मिश्र विमल भोजपुरी के पहिचान, लागत बा दिन नीमन आइ, फेरू फगुआ बदनाम होई, सरगो से नीमन बाटे सइयाँ के गाँव रे, महान भारत, रंग बनल रहे, भउजी अथवा– कैलाश मानसरोवर– डॉ॰ रसिक बिहारी ओझा– निर्भीक	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा।
इकाई – 05	भोजपुरी साहित्य– प्रगति की पहचान– डॉ॰ विवेकी राय आलोचना सं॰– 3, 6, 9, 16 अथवा भोजपुरी रचना आ आलोचना– डॉ॰ अशोक द्विवेदी खंड– एक–12, 16, खंड– दो– 23, 26 खंड– तीन– 36	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. भोजपुरी गद्य साहित्य : स्वरूप– सामग्री–समालोचना– डॉ॰ जयकान्त सिंह
2. भोजपुरियत के थाती– डॉ॰ प्रमोद तिवारी
3. भोजपुरी साहित्य का इतिहास– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
4. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ॰ अर्जुन तिवारी
5. भोजपुरी साहित्य : परम्परा आ परख– डॉ॰ ब्रजभूषण मिश्र

20-9-23

20-9-23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– VI

MJC – 10 अंक – 100
साख (क्रेडिट) – 04

स्वातंत्र्योत्तर भोजपुरी काव्य (अद्यतन)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. भोजपुरी काव्य लेखन से विद्यार्थी लोग के अवगत करावल।
2. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के भोजपुरी कविता के विषय आ ओकरा रचना शैली से अवगत करावल।
3. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद समाज आ देश में आइल बदलाव के भोजपुरी कवितन में खोजल आ रेखांकित कइल।
4. भोजपुरी कवितन में आइल नवजीवन–मूल्यबोध से परिचित करावल।

परिणाम–

1. स्वातंत्र्योत्तर भोजपुरी काव्य लेखन के कथ्य आ शैली से विद्यार्थी लोग अवगत होई।
2. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के समाज आ देश के विकास आ समस्या से विद्यार्थी लोग भोजपुरी कवितन के जरिए परिचित होई।
3. भोजपुरी कवितन का आधुनिक स्वरूप के बोध से विद्यार्थी लोग में नया जीवन मूल्यबोध पैदा होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर दिहल जरूरी–	10 X 03 = 30
2. छव लघु उत्तरीय प्रश्नन में से चार के उत्तर जरूरी–	05 X 02= 10
3. चार दिहल काव्यांश में से दू गो के सप्रसंग व्याख्या कइल जरूरी–	05 X 02= 10
4. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	02 X 10= 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार/क्विज–	05
4.उपस्थिति–	05
	30

20.9.23 20.9.23

इकाई – 01	बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय भोजपुरी पद्य संग्रह– सं॰ मं॰– डॉ॰ रिपुसूदन श्रीवास्तव, डॉ॰ प्रभुनाथ सिंह आदि। कवि– मोती बी॰ए॰, प्रो॰ रामेश्वर सिंह काश्यप, मदन प्रसाद, पाण्डेय सुरेन्द्र, सुभद्रा बीरेन्द्र कुमार, विरल, डॉ॰ जौहर शफियाबादी, डॉ॰ सन्ध्या सिन्हा अथवा हीरा मोती– सं॰ डॉ॰ रिपुसूदन प्रसाद श्रीवास्तव कवि– अनिरूद्ध, डॉ॰ प्रभुनाथ सिंह, डॉ॰ रिपुसूदन प्रसाद श्रीवास्तव	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	आगे आगे (मुक्तछंद के युगबोधी कविता संग्रह) – डॉ॰ जितराम पाठक, परमेश्वर दूबे शाहाबादी, हरिकिशोर पाण्डेय, भगवती प्रसाद द्विवेदी, ब्रजभूषण मिश्र)	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	भोजपुरी के प्रतिनिधि गजल– सं॰–जगन्नाथ – नगेन्द्र गजलकार– विश्वनाथ प्रसाद शैदा, दिनेश भ्रमर, जगन्नाथ, तैयब हुसैन पीड़ित, सतीश्वर सहाय	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	भोर अँजोर नहाइल (शोक काव्य)– डॉ॰ किशोर शरण शर्मा अथवा रमबोला– हरीन्द्र हिमकर	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा।

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. भोजपुरी के कवि और काव्य– दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह
2. भोजपुरी साहित्य का इतिहास– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
3. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ॰ नागेन्द्र प्रसाद सिंह
4. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ॰ अर्जुन तिवारी
5. कसौटी पर भोजपुरी कविता– डॉ॰ ब्रजभूषण मिश्र
6. भोजपुरी रचना आ आलोचना– डॉ॰ अशोक द्विवेदी
7. भोजपुरी साहित्य प्रगति की पहचान– डॅ॰ विवेकी राय
8. आजं के भोजपुरी साहित्य– डॉ॰ रिपुसूदन श्रीवास्तव

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– VI

MJC – 11
साख (क्रेडिट) – 05

अंक – 100

भोजपुरी के कुँवर काव्य आ गीतिकाव्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. भोजपुरी कुँवर काव्य परम्परा से परिचय करावल।
2. कुँवर सिंह के शौर्य से परिचय करावल।
3. विद्यार्थी लोगन में राष्ट्रीय भावना जागृत करावल।
4. 1857 ई॰ के स्वतंत्रता संग्राम से परिचय करावल।
5. तत्कालीन राजनीतिक– सामाजिक परिस्थितियन के जानकारी करावल।
6. भोजपुरी के गीतिकाव्य परम्परा से अवगत करावल।

परिणाम–

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में कुँवर सिंह के अवदान से विद्यार्थी लोग अवगत होई त ओह–लोग के अंदर राष्ट्रीय भावना के विकास होई। तत्कालीन सामाजिक आ राजनीतिक परिस्थितियन के बोध पैदा होई त ओह लोग में जीवन जीये के भाव विकसित होई।

गीतकाव्य में व्यक्त भाव बोध से छात्र लोग में संवेदनशीलता पैदा होई त ओह लोग में मानव–मूल्य के विकास होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर दिहल जरूरी–	10 X 03 = 30
2. छः लघु उत्तरीय प्रश्नन में से चार गो के उत्तर जरूरी–	05 X 04= 20
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	02 X 10= 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार / क्विज–	05
4.उपस्थिति–	05
	30

इकाई – 01	भोजपुरी महाकाव्य परम्परा, कुँवर काव्य परम्परा, गीत, आ भोजपुरी गीतिकाव्य परम्परा के परिचय	व्याख्यान– 06 ट्यूटोरियल– 02 = 08 घंटा
इकाई – 02	कुँवर सिंह– हरेन्द्र देव नारायण– प्रथम आ सप्तम सर्ग	व्याख्यान– 09 ट्यूटोरियल– 03 = 12 घंटा
इकाई – 03	कुँवर सिंह– चन्द्रशेखर मिश्र– चूड़िहारिन गाँउ में आवत नाहीं	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	कालजयी कुँवर सिंह– सर्वदेव तिवारी :राकेश– दसवां– एगारहवां सर्ग	व्याख्यान– 09 ट्यूटोरियल– 03 = 12 घंटा।
इकाई – 05	महेन्द्र मिसिर के गीत– अँगुरी में डंसले बिया नगिनियां, सासू मोरा मारे रामा बाँस के छेउँकिया, पिया मोरा गइले रामा पुरुबी बनिजिया, एके गो रे मटिया के दुईगो खेलवना, खेलत में रहली हम सिपुली मउनिया आ काँचे–काँचे कलियाँ उपरा भँवरा लोभइले।	व्याख्यान– 06 ट्यूटोरियल– 02 = 08 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. भोजपुरी लोकगाथा– सत्यव्रत सिन्हा
2. 1857 और वीर कुँवर सिंह– जनरल एस॰के॰ सिन्हा
3. कुँवर सिंह– अमर सिंह– के॰के॰ दना
4. वीर कुँवर सिंह– रास बिहारी लाल
5. कुँवर सिंह और 1857 की क्रांति–सुभाष शर्मा, अनंत कुमार सिंह, जवाहर पाण्डेय

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– VI

MJC – 12 अंक – 100
साख (क्रेडिट) – 05

प्रयोजनमूलक भोजपुरी

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. प्रयोजनमूलक भाषा के परिभाषा आ अर्थ से विद्यार्थी लोग परिचय करावल।
2. साहित्यिक भाषा आ प्रयोजनमूलक भाषा के अन्तर समझावल।
3. प्रयोजनमूलक भोजपुरी के ज्ञान दिहल।
4. प्रयोजनमूलक भोजपुरी के विविध आयामन से विद्यार्थी लोग के परिचय करावल।

परिणाम–

प्रयोजनमूलक भोजपुरी के ज्ञान से शासन–प्रशासन, व्यवसाय, जनसंचार, विधि, शिक्षा, तकनीकि आदि क्षेत्रन के ज्ञान से विद्यार्थी लोग के कौशल विकास होई। अनुवाद, पत्रलेखन, टिप्पणी लेखन जइसन कार्यालयी कार्य में दक्षता प्राप्त होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर दिहल जरूरी–	10 X 03 = 30
2. छः लघु उत्तरीय प्रश्नन में से चार गो के उत्तर जरूरी–	05 X 04= 20
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	02 X 10= 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार / क्विज–	05
4.उपस्थिति–	05
	30

20.9.23

20.9.23

इकाई – 01	प्रयोजनमूलकता के अर्थ, प्रयोजनमूलक भाषा के परिभाषा, प्रयोजनमूलक भोजपुरी के आवश्यकता आ महत्व, प्रयोजनमूलक भाषा के विविध आयाम।	व्याख्यान– 06 ट्यूटोरियल– 02 = 08 घंटा
इकाई – 02	भोजपुरी के विविध रूप– मातृभाषा, बोलचाल के भाषा, संपर्क भाषा, सर्जनात्मक भाषा, व्यवसायिक भाषा	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	भोजपुरी भाषा के विविध प्रकार्य– प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी, परिपत्र, अधिसूचना आ विज्ञापन।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	कम्प्यूटर– परिचय, उपयोगिता, इंटरनेट– परिचय, ईमेल, सॉफ्टवेयर	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 05	अनुवाद– सिद्धान्त, क्षेत्र, प्रकार, प्रक्रिया, प्रविधि, पारिभाषिक शब्दवाली– अर्थ, विशेषता, उपयोगिता	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. अनुवाद विज्ञान– भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद कम्प्यूटर परिचय– अरूण कुमार
3. गोल्ड इंटमेट– अरुण कुमार
4. भोजपुरी व्याकरण, शब्दकोश आ अनुवाद की समस्या– डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद सिंह
5. मानक भोजपुरी भाषा, व्याकरण आ रचना– डॉ॰ जयकान्त सिंह
6. प्रयोजनामूलक हिंदी– दिनेश प्रसाद सिंह
7. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग– विजय कुमार मल्होत्रा
8. प्रयोजमूलक भोजपुरी– डॉ॰ शिववंश पाण्डेय

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– VII

MJC – 13
साख (क्रेडिट) – 05

अंक – 100

भोजपुरी नाटक आ एकांकी

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. नाटक के महत्व के बारे में जानकारी दिहल।
2. नाटक के सामाजिक आ सांस्कृतिक पक्ष के जानकारी दिहल।
3. नाटक का बारे में गहराई से समझ विकसित करावल।

परिणाम–

1. भोजपुरी नाट्य परम्परा के परिचय प्राप्त होई
2. नाटक के चरित्रन से प्रेरणा ग्रहण करिहन जवना से विद्यार्थी लोग के चरित्र निर्माण होई।
3. छात्र लोग में विवेचन–विश्लेषण के क्षमता विकसित होई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर दिहल जरूरी–	10 X 03 = 30
2. छः लघु उत्तरीय प्रश्नन में से दो गो के उत्तर जरूरी–	05 X 02= 10
3. 04 गो दिहल नाटक/एकांकी के गद्यांश में से दू गो के सप्रसंग व्याख्या कइल जरूरी–	05 X 02= 10
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	02 X 10= 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार/क्विज–	05
4.उपस्थिति–	05
	30

20.9.23

20.9.23

इकाई – 01	नाटक – परिभाषा, तत्व, प्रकार एकांकी – परिभाषा, तत्व, प्रकार नाटक आ एकांकी में अंतर	व्याख्यान– 06 ट्यूटोरियल– 02 = 08 घंटा
इकाई – 02	गबरघिंचोर – भिखारी ठाकुर	व्याख्यान– 09 ट्यूटोरियल– 03 = 12 घंटा
इकाई – 03	कचोट – महेन्द्र प्रसाद सिंह	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	पहिलका नायक – सुरेश काँटक	व्याख्यान– 09 ट्यूटोरियल– 03 = 12 घंटा
इकाई – 05	धर्मी (एकांकी संग्रह)– चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह– आरंभिक पाँच एकांकी	व्याख्यान– 06 ट्यूटोरियल– 02 = 08 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. नाटक और रंगमंच – डॉ॰ सीताराम झा श्याम
2. हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास– डॉ॰ दशरथ ओझा
3. भोजपुरी गद्य साहित्य – स्वरूप सामग्री, समालोचना– डॉ॰ जयकान्त सिंह
4. हिंदी एकांकी – उद्‌भव और विकास – डॉ॰ रामचरण महेन्द्र

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– VII

अंक – 100

MJC – 15
साख (क्रेडिट) – 06

भोजपुरी पत्रकारिता आ साहित्यिक निबंध

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. समाज आ साहित्य के विकास में पत्रकारिता के अवदान से विद्यार्थी लोग के अवगत करावल।
2. भोजपुरी पत्रकारिता के विकास परम्परा से विद्यार्थी लोग परिचय करावल।
3. भोजपुरी के साहित्यिक पत्रकारिता में आइल सम्पादकीय से सम्पादन के विषय से अवगत भइल।
4. भोजपुरी के साहित्यिक पत्रकारिता में आइल सम्पादकीय से सम्पादन के विषय से अवगत भइल।

परिणाम–

1. विद्यार्थी लोग समाज आ देश का साहित्य आ संस्कृति के विकास में पत्रकारिता का अवदान के ज्ञान पाई।
2. भोजपुरी पत्रकारिता के उद्‌भव आ विकास से परिचित हो पाई।
3. भोजपुरी के प्रमुख साहित्यिक पत्र–पत्रिकन का पठनीय सामग्रियन से आपन ज्ञान समृद्ध कर पाई।

अंक विभाजन

समय– 03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक/विवरणात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर दिहल जरूरी–	10 X 03 = 30
2. पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नन में से चार गो के उत्तर जरूरी–	05 X 04= 20
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर दिहल जरूरी–	02 X 10= 20
	70

आंतरिक मूल्यांकन–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार/क्विज–	05
4.उपस्थिति–	05
	30

20.9.23

20.9.23

इकाई – 01	पत्रकारिता– अभिप्राय, परिभाषा, प्रकार, संपादन कला के सिद्धांत आ सम्पादक के दायित्व	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	भोजपुरी पत्रकारिता के विकास परम्परा, स्वतंत्रता पूर्व भोजपुरी पत्रकारिता, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के भोजपुरी पत्रकारिता, भोजपुरी पत्रकारिता के विविध रूप– साहित्यिक, राजनीतिक, व्यावसायिक आदि।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	भोजपुरी के प्रमुख पत्रिका– भोजपुरी, अँजोर, भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका, पाती, समकालीन भोजपुरी साहित्य आ भोजपुरी पत्रिका के प्रमुख संपादक /पत्रकार– आचार्य महेन्द्र शास्त्री, पाण्डेय, नर्मदेश्वर सहाय, पाण्डेय कपिल, अरूणेश नीरन	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	साहित्यिक निबन्ध– भोजपुरी गद्य के विकास परम्परा, भोजपुरी प्रबंध काव्य, : कथ्य आ शिल्प, भोजपुरी महाकाव्य आ बाबू कुँवर सिंह, भोजपुरी खंड काव्य के विकास यात्रा, भोजपुरी के गीतिकाव्य, भोजपुरी गजल के विकास परम्परा आ भोजपुरी नवगीत	व्याख्यान– 10 ट्यूटोरियल– 03 = 13 घंटा
इकाई – 05	भोजपुरी कथा साहित्य, भोजपुरी के उपन्यास, भोजपुरी कहानी के विकास यात्रा, भोजपुरी के कथेतर साहित्य– भोजपुरी निबंध साहित्य	व्याख्यान– 13 ट्यूटोरियल– 04 = 17 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. भोजपुरी पत्रकारिता आ समकालीन साहित्य– डॉ० वैरागी प्रभास चतुर्वेदी
2. भोजपुरी प्रकाशन के सइ बरिस– पं० गणेश चौबे
3. विविधा– पाण्डेय कपिल
4. लेखांजलि – पाण्डेय कपिल
5. बिहार की पत्रकारिता – डॉ० मिथिलेश कुमारी मिश्र
6. साहित्यिक पत्रकारिता – राम मोहन पाठक
7. सम्पादन कला – पी० के० नारायण
8. इक्कीसबी सदी में भोजपुरी – सं० नागेन्द्र प्रसाद सिंह

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सत्रार्द्ध(सेमेस्टर)– VIII

अंक – 100

MJC – 16
साख (क्रेडिट) – 08

भोजपुरी लोकसाहित्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य–

1. भोजपुरी लोक के स्वरूप आ विशेषता से विद्यार्थी लोग के अवगत करावल।
2. भोजपुरी लोक साहित्य का विविध प्रकारन में वर्णित लोक संस्कृति से अवगत करावल।
3. भोजपुरी लोक साहित्य आ लोक संस्कृति से अवगत कराके अपना समाज आ देश का विरासत से परिचित करावल।
4. भोजपुरी लोक साहित्य के माध्यम से परम्परागत भारतीय ज्ञान परम्परा के बोध करावल।

परिणाम

1. भोजपुरी लोक, लोक साहित्य, आ लोक संस्कृति के ज्ञान पाके विद्यार्थी लोग अपना परम्परागत ज्ञान सम्पदा से परिचित होई।
2. विद्यार्थी लोग भारतीय जनमानस के समझ पाई।
3. भोजपुरी लोकोक्ति, कहाउत, मुहावरा, आदि के सम्यक समझ के लोक बेवहार में ले आई।
4. भोजपुरी लोक संस्कृति के रीति–रिवाज, आस्था–मान्यता, पर्व–त्योहार आदि के सामाजिकता आ वैज्ञानिकता के मूल्यांकन कर पाई।

अंक विभाजन–

समय–03 घंटा

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर दिहल जरूरी–	10 X 03 = 30
2. छः लघु उत्तरीय प्रश्नन में से चार गो के उत्तर जरूरी–	05 X 04= 20
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर दिहल जरूरी–	02 X 10= 20
	70

आंतरिक परीक्षा–

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार/क्विज–	05
4.उपस्थिति–	05
	30

20.9.23

20.9.23

इकाई – 01	लोक : अर्थ आ परिभाषा, लोक साहित्य : परिभाषा, प्रकार आ विशेषता, लोक साहित्य आ लोक संस्कृति	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	भोजपुरी लोक साहित्य आ लोक संस्कृति, भोजपुरी लोक साहित्य का अध्ययन के परम्परा, भोजपुरी लोक साहित्य के प्रकार, परिभाषा आ विशेषता	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	भोजपुरी के लोक गाथा : परिभाषा, प्रकार आ विशेषता, भोजपुरी लोक कथा : परिभाषा, प्रकार आ विशेषता भोजपुरी लोकगाथा आ लोक कथा के अन्तर	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	भोजपुरी लोकगीत : परिभाषा, प्रकार आ विशेषता भोजपुरी लोकनृत्य आ लोकनाटक : परिभाषा, प्रकार आ विशेषता भोजपुरी लोकोक्ति, कहाउत आ मुहावरा : सामान्य परिचय	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. लोक साहित्य की भूमिका– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
2. भोजपुरी लोक साहित्य– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
3. भोजपुरी लोक संस्कृति– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
4. भोजपुरी लोकधारा– डॉ॰ रसिक बिहारी ओझा निर्भिक
5. भोजपुरी लोक लहर– रामाज्ञा प्रसाद सिंह विकल
6. भोजपुरी लोककथा– मिथिलेश्वर
7. भोजपुरी लोककथाएँ– भगवती प्रसाद द्विवेदी
8. भोजपुरी लोकगाथा– सत्यव्रत सिन्हा
9. भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन– श्रीधर मिश्र
10. भोजपुरी लोक संस्कृति आ लोक साहित्य– डॉ॰ जयकान्त सिंह

20.9.23

20.9.23

भोजपुरी (Bhojpuri)

(A) Major Core Courses

Sl. No.	Sem	Type of course	Name of Course	Credit	Marks
1.	i	MJC-1	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल)	06	100
2.	ii	MJC-2	प्राचीन आ मध्यकालीन भोजपुरी काव्य	06	100
3.	iii	MJC-3	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आधुनिक काल)	05	100
4.	iii	MJC-4	भोजपुरी कथा साहित्य (उपन्यास आ कहानी)	04	100
5.	iv	MJC-5	काव्य शास्त्र (भारतीय आ पाश्चात्य)	05	100
6.	iv	MJC-6	भाषा विज्ञान आ भोजपुरी भाषा	05	100
7.	iv	MJC-7	स्वतंत्रता पूर्व भोजपुरी कविता	05	100
8.	V	MJC-8	साहित्यालोचन (कला, काव्य, नाटक, कहानी आ उपन्यास के परिभाषा, तत्व, प्रकार, आदि)	05	100
9.	v	MJC-9	भोजपुरी के कथेतर साहित्य (निबंध, आलोचना, रिपोर्ताज संस्मरण, डायरी)	05	100
10	vi	MJC-10	स्वातंत्र्ययोत्तर भोजपुरी काव्य (अद्यतन)	04	100
11	vi	MJC-11	भोजपुरी के कुँवर काव्य अउर गीतिकाव्य	05	100
12	vi	MJC-12	प्रयोजनमूलक भोजपुरी	05	100
13	vii	MJC-13	भोजपुरी नाटक आ एकांकी	05	100
14	vii	MJC-14	शोध पद्धति (Research Methodology)	05	100
15	vii	MJC-15	भोजपुरी पत्रकारिता आ साहित्यिक निबंध	06	100
16	viii	MJC-16	भोजपुरी लोकसाहित्य	04	100
			B. Minor Courses to be offered by the Departments of other Departments of Concern	**80 Credits**	

Sl. No.	Sem	Type of course	Name of Course	Credit	Marks
1.	i	MIC-1	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल)	03	100
2.	ii	MIC-2	प्राचीन आ मध्यकालीन भोजपुरी काव्य	03	100
3.	iii	MIC-3	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आधुनिककाल)	03	100
4.	iv	MIC-4	भोजपुरी कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी)	03	100
5.	V	MIC-5	काव्यशास्त्र (भारतीय का पाश्चात्य)	03	100
6.	V	MIC-6	भाषा विज्ञान आ भोजपुरी भाषा	03	100
7.	Vi	MIC-7	स्वतंत्रतापूर्व भोजपुरी कविता	03	100
8.	Vi	MIC-8	साहित्यालोचन (कला, काव्य, नाटक, कहानी आ उपन्यास के परिभाषा, तत्व, प्रकार, आदि)	03	100
9.	Vii	MIC-9	भोजपुरी के कथेतर साहित्य– निबंध, आलोचना, रिपोर्ताज संस्मरण, डायरी	04	100
10.	Viii	MIC-10	स्वातंत्र्ययोत्तर भोजपुरी काव्य (अद्यतन)	04	100

Sub Total=32

Note: The Department may reduce the syllabus of the Minor courses as per the credit distribution The Department concerned may also decide practical course.

20-9-23

20.9.23

भोजपुरी

MIC

MIC - 03

MIC - 04

MIC - 05

MIC - 06

MIC - 07

MIC - 08

MIC - 09

MIC -10

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)

MIC – 03 **अंक – 100**
साख (क्रेडिट) – 03

समय– 03 घंटा

भोजपुरी साहित्य के इतिहास
(आधुनिक काल)

अंक विभाजन

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन के उत्तर जरूरी– **10 X 03 = 30**
2. छव लघु उत्तरी प्रश्नन में से चार के उत्तर जरूरी– **05 X 04= 20**
3. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी– **02 X10= 20**

70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा– 15
2. एसानमेंट– 05
3. सेमिनार/क्विज– 05
4. उपस्थिति– 05

30

इकाई – 01	आधुनिक काल के भोजपुरी साहित्य आ 1857 के पहिला स्वतंत्रता संग्राम अउर भोजपुरी साहित्य	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	भोजपुरी काव्य– प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य, गीति काव्य, नवगीत आ गजल के उद्भव आ विकास	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	भोजपुरी के कथा साहित्य– उपन्यास, कहानी आ लघु कथा आउर कथेत्तर साहित्य– नाटक आ निबंध के विकास परम्परा	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भोजपुरी के कवि और काव्य – दुर्गाशंकर प्रसाद
2. भोजपुरी साहित्य का इतिहास– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
3. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ॰ अर्जुन तिवारी
4. भोजपुरी गद्य साहित्य : स्वरूप–सामग्री–समालोचना– डॉ॰ जयकान्त सिंह

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सेमेस्टर– IV

MIC – 04
(क्रेडिट) – 03

अंक – 100

समय– 03 घंटा

भोजपुरी कथा साहित्य– (उपन्यास– कहानी)

अंक विभाजन

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर जरूरी–	**10 X 03 = 30**
2. चार गो व्याख्या में से दू गो के सप्रसंग व्याख्या कइल जरूरी–	**05 X 02= 10**
3. चार गो लघु उत्तरी प्रश्नन में से दू गो के उत्तर जरूरी–	**05 X 02= 10**
4. दस गो वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	**02 X10= 20**
	70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसानमेंट–	05
3. सेमिनार / क्विज–	05
4. उपस्थिति–	05
	30

इकाई – 01	उपन्यास आ कहानी : परिभाषा, प्रकार आ अन्तर	व्याख्यान– 06 ट्यूटोरियल– 02 = 08 घंटा
इकाई – 02	बिंदिया– रामनाथ पाण्डेय	व्याख्यान– 12 ट्यूटोरियल– 04 = 16 घंटा
इकाई – 03	कहानी कुंदन सिंह केसर बाई, मछरी, लोर पसर गइल, गाँव के मुरदा निर्धारित पुस्तक– बिहार विश्वविद्यालय भोजपुरी गद्य संग्रह–संपादक डॉ0 रिपुसूदन श्रीवास्तव आदि।	व्याख्यान– 05 ट्यूटोरियल– 01 = 06 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास– डॉ॰ विवेकी राय
2. भोजपुरी कहानी– परम्परा आ विकास– कृष्णनंद कृष्ण
3. भोजपुरी साहित्य : प्रगति की पहचान– डॉ॰ विवेकी राय

स्नातक (भोजपुरी)
सेमेस्टर– IV

MIC – 05
(क्रेडिट) – 03

अंक – 100

समय– 03 घंटा

काव्यशास्त्र (भारतीय आ पाश्चात्य)

अंक विभाजन

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर जरूरी– **10 X 03 = 30**
2. छव लघु उत्तरी प्रश्नन में से चार गो के उत्तर जरूरी– **05 X 04= 20**
3. दस गो वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी– **02 X10= 20**

70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा– 15
2. एसाइनमेंट– 05
3. सेमिनार/क्विज– 05
4. उपस्थिति– 05

30

इकाई – 01	काव्य के लक्षण/परिभाषा आ प्रकार	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	शब्द शक्ति– अभिधा, लक्षणा आ व्यंजना	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	पाश्चात्य काव्यशास्त्र– प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत आ अरस्तु के विरेचन सिद्धांत	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका– डॉ॰ जितराम पाठक
2. काव्य के तत्व– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

20-9-23

20-9-23

स्नातक (भोजपुरी)
सेमेस्टर– V

MIC – 06
(क्रेडिट) – 03

अंक – 100

समय– 03 घंटा

भाषा विज्ञान आ भोजपुरी भाषा

अंक विभाजन

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर जरूरी– **10 X 03 = 30**
2. छव लघु उत्तरी प्रश्नन में से चार गो के उत्तर जरूरी– **05 X 04= 20**
3. दस गो वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी– **02 X10= 20**

70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा– 15
2. एसाइनमेंट– 05
3. सेमिनार / क्विज– 05
4. उपस्थिति– 05

30

इकाई – 01	भाषा आ भाषा विज्ञान के परिभाषा,भाषा आ बोली में अंतर, भाषा विज्ञान के ज्ञान–विज्ञान के अउर क्षेत्रन से संबंध	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	भाषोत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा परिवर्तन के कारन आ अर्थ परिवर्तन के कारन	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	भोजपुरी भाषा के उद्भव आ विकास, भोजपुरी भाषा के नामकरण संबंधी विद्वान लोग के विचार, भोजपुरी भाषा के स्थानीय रूप–भेद	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भाषाविज्ञान की भूमिका– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषाविज्ञान : सिद्धांत आ स्वरूप– डॉ॰ जितराम पाठक
3. भोजपुरी भाषा : स्वरूप आ सम्भावना– डॉ॰ जयकान्त सिंह जय
4. भारतीय आर्य भाषा आ भोजपुरी– डॉ॰ जयकान्त सिंह जय

20.9.23

20.9.23

स्नातक (भोजपुरी)
सेमेस्टर– VI

MIC – 07
(क्रेडिट) – 03

अंक – 100

समय– 03 घंटा

स्वतंत्रता पूर्व भोजपुरी कविता

अंक विभाजन

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर जरूरी–	**10 X 03 = 30**
2. चार गो दिहल काव्यांश में से दू गो के सप्रसंग व्याख्या जरूरी–	**05 X 02= 10**
3. चार गो लघुउत्तरी प्रश्नन में से दूगो के उत्तर जरूरी–	**05 X 02= 10**
4. दस लघु उत्तरी प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	**02 X10= 20**
	70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा– 15
2. एसाइनमेंट– 05
3. सेमिनार/क्विज– 05
4. उपस्थिति– 05

30

इकाई – 01	रघुवीर नारायण के बटोहिया आ हीरा डोम के अछूत के शिकायत	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	मनोरंजन प्रसाद सिन्हा के फिरंगिया आ रामविचार पाण्डेय के अँजोरिया।	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	सरदार हरिहर सिंह के राष्ट्रीय गीत आ प्रसिद्ध नारायण सिंह के श्रद्धांजलि	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

निर्धारित काव्य संग्रह –

1. भोजपुरी के कवि और काव्य– दुर्गा शंकर प्रसाद सिंह
2. बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय भोजपुरी पद्य संग्रह– सं॰ डॉ॰ रिपुसूदन श्रीवास्तव आदि

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भोजपुरी भाषा और साहित्य – डॉ उदय नारायण तिवारी
2. भोजपुरी साहित्य का इतिहास – डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय

स्नातक (भोजपुरी)
सेमेस्टर– VI

MIC – 08
(क्रेडिट) – 03

अंक – 100

समय– 03 घंटा

साहित्यालोचन

अंक विभाजन

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर जरूरी– **10 X 03 = 30**
2. छव लघु उत्तरीय प्रश्नन में से 04 गो के उत्तर जरूरी– **05 X 04= 20**
3. दस गो वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी– **02 X10= 20**

70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा– 15
2. एसाइनमेंट– 05
3. सेमिनार/क्विज– 05
4. उपस्थिति– 05

30

इकाई – 01	कला के अर्थ आ परिभाषा अउर काव्य के अर्थ, परिभाषा	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	कहानी आ उपन्यास के परिभाषा, तत्व आ दूनों के बीच के अन्तर	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	नाटक की परिभाषा, प्रकार आ तत्व, निबंध के परिभाषा, प्रकार आ तत्व	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ

1. साहित्यालोचन– आचार्य श्याम सुंदर दास
2. भोजपुरी गद्य साहित्य : स्वरूप– सामग्री– समालोचना– डॉ॰ जयकान्त सिंह

20-9-23

स्नातक (भोजपुरी)
सेमेस्टर– VII

MIC – 09
(क्रेडिट) – 04

अंक – 100

समय– 03 घंटा

भोजपुरी के कथेतर साहित्य

अंक विभाजन

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर जरूरी– **10 X 03 = 30**
2. छव लघु उत्तरीय प्रश्नन में से 04 गो के उत्तर जरूरी– **05 X 04= 20**
3. दस गो वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी– **02 X 10= 20**

70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा– 15
2. एसाइनमेंट– 05
3. सेमिनार/क्विज– 05
4. उपस्थिति– 05

30

इकाई – 01	नव निबंध– श्री रामनगीना सिंह विकल निबंध– मन, चित्त, आ व्यक्तित्व	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	सुरतिया ना बिसरे– डॉ॰ रसिक बिहारी ओझा निर्भीक– बयान, पगला तिवारी, गवर्नर साहब, मनोरंजन बाबू	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	बाबू (संस्मरण)– संत कुमार वर्मा	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	भोजपुरी साहित्य : प्रगति की पहचान– डॉ॰ विवेकी राय आलोचना संस्था– 03, 06, आ 09	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भोजपुरी साहित्य का इतिहास– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
2. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ0 अर्जुन तिवारी
3. भोजपुरी गद्य साहित्य : स्वरूप– सामग्री– समालोचना– डॉ॰ जयकान्त सिंह

स्नातक (भोजपुरी)
सेमेस्टर– VIII

MIC – 10
(क्रेडिट) – 04

अंक – 100

समय– 03 घंटा

स्वातंत्र्योतर भोजपुरी काव्य (अद्यतन)

अंक विभाजन

1. पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीन गो के उत्तर जरूरी–	**10 X 03 = 30**
2. चार दिहल काव्यांश में से दू गो के सप्रसंग व्याख्या जरूरी–	**05 X 02= 10**
3. चार लघु उत्तरी प्रश्नन में से 02 गो के उत्तर जरूरी–	**05 X 02= 10**
4. दस गो वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी–	**02 X 10= 20**
	70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा–	15
2. एसाइनमेंट–	05
3. सेमिनार/क्विज–	05
4. उपस्थिति–	05
	30

इकाई – 01	बिहार विश्वविद्यालय भोजपुरी पद्य संग्रह– सं॰ डॉ॰ रिपुसूदन श्रीवास्तव कवि– काश्यप, मदन प्रसाद, सुभद्रा वीरेन्द्र	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 02	हीरा मोती– सं॰– डॉ॰ रिपुसूदन श्रीवास्तव कवि– डॉ॰ प्रभुनाथ सिंह आ अनिरूद्ध	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 03	आगे–आगे (मुक्त छंद के भोजपुरी कविता संग्रह) कवि– डॉ॰ जितराम पाठक, भगवती प्रसाद द्विवेदी	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा
इकाई – 04	रमबोला– हरीन्द्र हिनकर	व्याख्यान– 08 ट्यूटोरियल– 02 = 10 घंटा

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भोजपुरी के कवि और काव्य– दुर्गा शंकर प्रसाद सिंह
2. भोजपुरी साहित्य का इतिहास– डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय
3. भोजपुरी साहित्य के इतिहास– डॉ॰ अर्जुन तिवारी

20.9.22